खारे पानी का मगरमच्छ

खारे पानी के मगरमच्छ (Crocodylus Porosus),जो पहले वियतनाम और दक्षिणी चीन में पाए जाते थे, मानव गतिविधियों के कारण इन क्षेत्रों में विलुप्त हो गए।

//

खारे पानी का मगरमच्छ:

- **परिचय:**
  - यह मौजूदा जीवित मगरमच्छों की 23 प्रजातियों में सबसे बड़ी प्रजाति है। इसमें 'ट्रू क्रोकोडाइल', मगरमच्छ और कैमन शामिल हैं।
  - इसे 'एश्चुरिन क्रोकोडाइल' भी कहा जाता है और जैसा कि नाम से पता चलता है, यह आमतौर पर एश्चुरी के खारे पानी में पाया जाता है।
  - यह महासागरों में खारे पानी को भी सहन कर सकता है और ज्वारीय धाराओं का उपयोग करके खुले समुद्र में लंबी दूरी की यात्रा कर सकता है।
- **प्राकृतिक वास:**
  - यह मगरमच्छ ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल में सुंदरवन तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है।
  - यह भारतीय उपमहाद्वीप के तीन मगरमच्छों साथ ही **घड़ियाल मगरमच्छ** (Crocodylus palustris) और **घड़ियाल (Gavialis Gangeticus)** मगरमच्छों में से एक है।
  - यह **बांग्लादेश, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, फिलीपींस, पापुआ न्यू गिनी, ऑस्ट्रेलिया और सोलोमन द्वीप** समूह में भी पाया जाता है।
  - प्रजातियों की सीमा पश्चिम में सेशेल्स और केरल, भारत से लेकर पूर्व में दक्षिणपूर्वी चीन, पलाऊ और वानुअतु तक फैली हुई थी।
- **खतरा:**
  - अवैध रेत खनन, अवैध शिकार, नदी प्रदूषण में वृद्धि, बाँध निर्माण, बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने का कार्य और बाढ़।

खारे पानी के मगरमच्छों की संरक्षण स्थिति:

- **IUCN संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची:** 'संकटमुक्त' (Least Concern)।
- CITES: **परिशिष्ट- I** (ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी में मौजूद आबादी परिशिष्ट- II में शामिल है)।
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची- I

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saltwater-crocodile